Regarding honorarium to Anganwadi workers

श्री नारायणदास अहिरवार **(**जालौन**) :** सभापति जी, धन्यवाद ।

सभापति जी, भारत में आंगनवाड़ी केंद्र मातृ शिशु एवं स्वास्थ्य पोषण का एक महत्वपूर्ण आधार है । यहां कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और आशा बहुएं गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । इनके कार्य केवल कुछ घंटों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये महिलाएं दिन में दस घंटों से अधिक तक कार्य करती हैं ।

कोरोना महामारी के दौरान इन कर्मियों ने फ्रंटलाइन वर्कर्स की तरह कार्य किया है, परंतु इनके समर्पण के बावजूद इन्हें केवल मामूली सा मानदेय सरकार द्वारा दिया जाता है । आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आठ हजार रुपए तथा सहायिकाओं को छ: हजार रुपए मिलते हैं, जो कि बहुत ही कम हैं । इस कारण इन्हें अपने परिवारों का पालन-पोषण करने में बहुत कठिनाई हो रही है ।

मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति अत्यंत दयनीय है । यहां स्वच्छ पेयजल, शौचालय, उचित वेंटिलेशन और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता बहुत ही प्रभावित हो रही है । आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के कार्यों को ध्यान में रखकर इनको सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने के साथ-साथ सभी सरकारी सुविधाएं प्रदान की जाएं । उनके मानदेय में वृद्धि की जाए । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** जिस माननीय सदस्य को एसोसिएट करना है, वह लिखकर टेबल पर भेज दे, जिससे एसोसिएट हो जाएगा ।

? (व्यवधान)